आइआइटी में बन सकेगा 'फर्स्ट मॉडल'

जासं, वाराणसी : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-बीएचयू में अब फर्स्ट मॉडल तैयार हो सकेगा। इसके लिए यहां पर थ्री प्रिंटर सहित अन्य कई मशीनें मंगाई गई हैं। इससे प्रोटो टाइप सैंपल बनाना आसान होगा। यहां के विद्यार्थी किसी भी मॉडल को प्रोटो टाइप में कन्वर्ट कर थ्री डी प्रिंट निकाल सकेंगे। पढ़ाई के साथ प्रयोग भी कर सकेंगे। विजन 2020 के तहत सिस्को के सहयोग से प्रयोगशाला खोली गई है। हालांकि अभी शुरुआत नहीं हो पाई है।

केंद्र के समन्वयक प्रो. पीके मिश्र व प्रो. प्रदीप कुमार श्रीवास्तव के अनुसार सिस्को थिंगक्युबेटर में नवीनतम इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आइओटी) लैब, एमसीआइआईई (मालवीय सेंटर फॉर इनोवेशन, इंक्यूबेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप) में बनी है। सिस्को से समझौता पत्र पर हस्ताक्षर भी हो चुका है। थिंगक्युबेटर प्रोग्राम दो वार्षिक समूहों में चलेगा, जहां चयनित छात्रों को अपने आइडिया को काम करने वाले प्रोटोटाइप में बदलने के लिए मंच मिलेगा। सिस्को तकनीकी, डिजिटल और उनकी डिजिटल प्रौद्योगिकी जानकारियों को

आइआइटी बीएचयू में थ्री डी प्रिंटर से तैयार एफिल टावर को दिखाते प्रबंधक • जागरण

मंगाया गया थ्री डी प्रिंटर, अब प्रोटो टाइप सैंपल बनाना आसान, विजन 2020 के तहत सिस्को की मदद से खुली नई प्रयोगशाला

प्रदान करेगा, जिससे छात्रों के आइडिया को सुगमता से प्लेटफार्म मिलेगा।

छात्रों ने बनाया एफिल टॉवर व ताज महल - यहां के छात्रों ने इस मशीन के जरिए पीएलए (पॉली लेक्टिक एसिड) से खेल -खेल में ही एफिल टॉवर और ताजमहल सहित कई मॉडल तैयार किए हैं। पीएलए मक्के को पिघला कर स्टार्च के रूप में तैयार किया जाता है। इसी से मशीन के माध्यम से परत दर परत मॉडल तैयार किया जा रहा है। यही नहीं इस मशीन के माध्यम से बॉडी का मॉडल भी बनाया जा सकता है। बॉडी को स्कैन कर साफ्टवेयर में कन्वर्ट कर थ्री डी प्रिंटर से सपोर्ट करते हुए जी कोड प्रिंट लिया जा सकता है। केंद्र के प्रबंधक परितोष त्रिपाठी ने बताया कि नई प्रयोगशाला का विधिवत उद्घाटन जल्द ही किया जाएगा। फिलहाल छात्र ट्रायल के रूप में ट्रेनिंग ले रहे हैं।

Dainik Jagran – 20.08.2018